

Padma Shri



SHRI IMRAN SHAH

Shri Imran Shah, known as KathaShilpi Nawab Imran Shah, is a poet, novelist, short story writer, lyricist, columnist, dramatist. He was the Head of the Department of Assamese in Sibsagar College. He also writes under the pen names Ishan Dutta, Anamaika Baruah, Kumbhakarna and Animesh Baruah.

2. Born on 23rd November, 1933 at Dhais Ali, Sivasagar, Assam, Shri Shah is the youngest child of Muhammad Shah and Mariam Nissa. He attended Dhais Ali Prathamik Vidyalaya, followed by Government High School, Sivasagar. He got Bachelor of Arts degree from Sivasagar College in 1958. He got enrolled in the ISC course at Cotton College, Guwahati. He did M.A. in Assamese literature from Guwahati University. While a student, he was the literary Secretary of Guwahati University.

3. Shri Shah's first book of poems "Banavashi" was published when he was in 9th standard. The following year, while in 10th standard, his first novel, "Sangeetor Sipare" was published. His magnum opus is "Jaban Bandi". In his 70 years of long journey in the field of literature, he has to his credit, 10 novels, 11 short story collections, 6 Essay collections, 6 translated books, 3 poems collections, 2 Dramas, 11 radio plays and 1 book of lyrical song. He has edited 5 volumes of books and was editor of 3 newspapers and magazines.

4. Shri Shah was the President of the most prestigious Literature organization of Assam, Asom Sahitya Sabha for the session 2013-2015. He was the founder Principal of Arunodoi College for ten years i.e. 1993-2003. He was also a co-founder of socio-cultural organization "Tarun Sangha Reading Club" in 1951. He was closely associated with organizations like:- Sibsagar District Library; Minority Development Board, Govt of Assam; Member Dibrugarh University Court, Member Program Advisory Board; All India Radio; Member Program Selection Board; Door Darshan Kendra Dibrugarh and many other socio-cultural organizations of Assam. He was a Ward Commissioner of Sibsagar Municipal Board as nominated member by Government.

5. Shri Shah is the recipient of several awards, which include Assam Valley Literary Award by Williamson Magor; Ajan Pir Award by Government of Assam; Ambedkar Award, Rongpur Gaurav Award; Katha Shilpi Honour.



श्री इमरान शाह

कथाशिल्पी नवाब इमरान शाह के नाम से प्रसिद्ध श्री इमरान शाह एक कवि, उपन्यासकार, लघु कथाकार, गीतकार, स्तंभकार, नाटककार हैं। वे शिवसागर कॉलेज में असमिया विभाग के प्रमुख थे। वह ईशान दत्त, अनामिका बरुआ, कुंभकर्ण और अनिमेष बरुआ के नाम से भी लिखते हैं।

2. 23 नवंबर, 1933 को ढाई अली, शिवसागर, असम में जन्मे, श्री शाह मुहम्मद शाह और मरियम निसा के सबसे छोटे बच्चे हैं। उन्होंने ढाई अली प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाई की, उसके बाद सरकारी हाई स्कूल, शिवसागर में पढ़ाई की। उन्होंने 1958 में शिवसागर कॉलेज से कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने गुवाहाटी के कॉटन कॉलेज में आईएससी पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। उन्होंने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से असमिया साहित्य में एम ए किया। एक छात्र के रूप में, वह गुवाहाटी विश्वविद्यालय के साहित्यिक सचिव थे।

3. श्री शाह की कविताओं की पहली पुस्तक 'बनावशी' तब प्रकाशित हुई जब वे 9वीं कक्षा में थे। अगले वर्ष, जब वे 10वीं कक्षा में थे, उनका पहला उपन्यास, "संगीत सिंपारे" प्रकाशित हुआ। उनकी महान कृति "जबन बंदी" है। साहित्य के क्षेत्र में अपनी 70 वर्षों की लंबी यात्रा में, उन्हें 10 उपन्यास, 11 लघु कहानी संग्रह, 6 निबंध संग्रह, 6 अनुवादित पुस्तकें, 3 कविता संग्रह, 2 नाटक, 11 रेडियो नाटक और गीतात्मक गीत की 1 पुस्तक का श्रेय जाता है। उन्होंने 5 खंडों की पुस्तकों का संपादन किया है और वे 3 समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के संपादक थे।

4. श्री शाह असम के सबसे प्रतिष्ठित साहित्य संगठन, असम साहित्य सभा के सत्र 2013–2015 में अध्यक्ष थे। वह दस साल (1993–2003) तक अरुणोदोई कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य रहे। वह 1951 में सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन "तरुण संघ रीडिंग क्लब" के सह-संस्थापक भी थे। वे विभिन्न संगठनों से निकटता से जुड़े थे जिनमें शिवसागर जिला पुस्तकालय; अल्पसंख्यक विकास बोर्ड, असम सरकार; सदस्य डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय न्यायालय, सदस्य कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड; ऑल इंडिया रेडियो; सदस्य कार्यक्रम चयन बोर्ड; दूरदर्शन केंद्र डिब्रूगढ़ और असम के कई अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन शामिल हैं। वे सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य के रूप में शिवसागर नगर बोर्ड के वार्ड आयुक्त थे।

5. श्री शाह को कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें विलियमसन मैगर द्वारा 'असम घाटी साहित्य पुरस्कार'; असम सरकार द्वारा 'अजानपीर पुरस्कार'; 'अम्बेडकर पुरस्कार', 'रोंगपुरगौरव पुरस्कार'; कथा शिल्पी सम्मान शामिल हैं।